परियोजना का नाम	:–	प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अर्न्तगत जनपद टिहरी के जौनपुर विकास खण्ड में रायपुर–कुमाल्डा–कद्दूखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 35 से घेना गाव मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु वन भूमी हस्तान्तरण प्रस्ताव।

GELOGICAL REPORT

जनपद टिहरी गढवाल में प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अन्तर्गत रायपुर कुमाल्डा--कददूखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 35 से घेना गॉव तक मार्ग हेतू प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. पी0एम0जी0एस0वाई0 सिचाई खण्ड--2, नई टिहरी के अन्तर्गत 3.325 कि0मी0 लम्बाई में रायपुर कुमाल्डा--कददूखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 35 से घेना गॉव, द्वितीय मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनॉक 18/06/2015 को कनिष्ट अभियन्ता श्री शुभम नौटियाल, सहायक अभियन्ता श्री विनय बोहरा एवं सम्बंन्धित टी0सी0एस0 के प्रतिनिधि के साथ निरीक्षण किया गया।

2. प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अन्तर्गत जनपद टिहरी के जौनपुर विकासखण्ड में रायपुर--कुमाल्डा--कददूखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 35 से घेना गॉव तक 3.325 कि0मी0 लम्बाई में मार्ग निर्माण का प्रस्ताव है। मार्ग के निमार्ण हेतू प्रारम्भिक रूप से दो समरेखनों पर विचार किया गया। समरेखन संख्या दो के अनुसार हेयर पिन बैण्डस की संख्या एवं मार्ग की लम्बाई बढने एवं स्थानीय ग्रामवासियों की भी असहमति होने के कारण समरेखन संख्या एक मार्ग निर्माण हेतु तुलनात्मक रूप से अधिक उपयुक्त प्रतीत होता है। समरेखन में चार हेयर पिन बैण्डस हैं, जो कमश: कास सैक्शन 0/20, 1/08, 1/17 तथा 2/06 में नियाजित किये गये हैं। समरेखन अलग--अलग भाग में नापभूमि, सिविल भूमि एवं वन भूमि से होकर गुजरता है। सामान्यतः भूमि का ढलान 20^0 से 45^0 के मध्य प्रतीत होता है। किन्तु वनभूमि तथा चटटानी भाग में ढलान कहीं--कहीं इससे अधिक भी है। समलेखन क्षेत्र में जौनपुर एवं मसूरी ग्रुप की चटटान हैं, जिसमें मुख्यता क्वार्टजाइट, फिलाईट, स्लेट तथा लाईमस्टोन इत्यादि है। चटटानों के ऊपर स्थान--स्थान पर ओवरबर्डन मैटेरियल है। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र में प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता दृष्टिगोचर नहीं हुई।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू--आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दिये जा रहें है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(i) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस भाग में पहाडी ढलान तीव्र है, वहां मार्ग का निर्माण हाफ कट--हाफ फिल डिजाइन से कराया जा सकता है, किन्तु फिलिंग मैटेरियल की गुणवत्ता एवं रिटेनिंग दीवार के डिजाइन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है ।

(ii) मार्ग के आरम्भ में टच आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त रिथर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाय।

(iii) यह सुनिश्चित किया जाय कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

(iv) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स को avoid किया जाना चाहिये ।

(v) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये गये कटान किया जाये ।

(vi) जहॉ मार्ग कटान की ऊचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्डस पर [illegible] भाग में, मार्ग कटान के साथ--साथ समुचित बेस्ट्र वाल का निर्माण कराया जाये ।

(vii) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाडी ढलान पर समुचित पौधौं का रोपण किया [illegible]

Photocopy Attested

सहायक अभियन्ता--द्वितीय
पी0एम0जी0एस0वाई0 सिं0ख0--2
नई टिहरी

(vii) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाडी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूरक्षण की प्रकिया को नियन्त्रित रखा जा सके ।

(viii) चटटानी ढलान में ब्लास्टिगं किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्टस सकिय हो सकते है । अतः जहॉ आवश्यक हो मार्ग कटान में नियन्त्रित ब्लास्टिंग की जाये ।

(ix) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतू रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य क्रास ड्रनेज वर्क्स का प्रावधान किया जाये ।

(x) पर्वतीय क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं व पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुये जहॉ आवश्यक हो विशेष सुरक्षात्मक प्रावधान किये जायें ।

(xi) कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित डंपयार्ड में डाला जाये। खड्ड साईड में फेंकने से भूरक्षण की समस्या उत्पन्न हो सकती है ।

(xii) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें ।

4. रायपुर–कुमाल्डा–कद्दूखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 35 से घेना गॉव तक मोटर मार्ग हेतु 3.325 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिए उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है ।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है ।

H. Kumar
(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग
देहरादून

Photocopy Attested

सहायक अभियन्ता–द्वितीय
पी0एम0जी0एस0वाई0 सिं0ख0–2
नई टिहरी